साईं शरण में आओगे तो समझोगे यह बात, रात के पीछे दिन आवे है, दिन के पीछे रात Bhajans Bhakti Songs

साईं शरण में आओगे
तो समझोगे यह बात,
रात के पीछे दिन आवे है,
दिन के पीछे रात ।

कौन खिलाये फूल चमन में,
क्यों मुरझाए फूल की पाती,
क्यों चमके है बन में दीपक,
कौन बुझाए जलती बाती ।
साईं शरण में आओगे...

कौन बिछाए सुख का बिस्तर
कौन ओढ़ाए दु:ख की चादर,
क्यों होवे पत्थर की पूजा,
कौन करे पत्थर को कंकर ।
साईं शरण में आओगे...

क्यों तूफ़ान से निकले कश्ती,
क्यों मझदार में डूबे नैया,
क्यों साहिल आने से पहले
टूटे है तकदीर का पहिया ।
साईं शरण में आओगे...

कौन करे झोली को खाली,
कौन भरे है सीप में मोती,
क्यों दिन रात जलाए रखे
आंधी में विशवास की ज्योति ।
साईं शरण में आओगे...

क्यों रुक जाए चलती धड़कन,
कौन बहाए जीवन धारा,
कभी कभी छोटा सा तिनका
क्यों बनता है एक सहारा ।

Source:
https://www.bharattemples.com/sai-sharan-me-aaoge-to-samjhoge-yeh-baat-raat-ke-peeche-din-aave-hai-din-ke-peeche-raat/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw